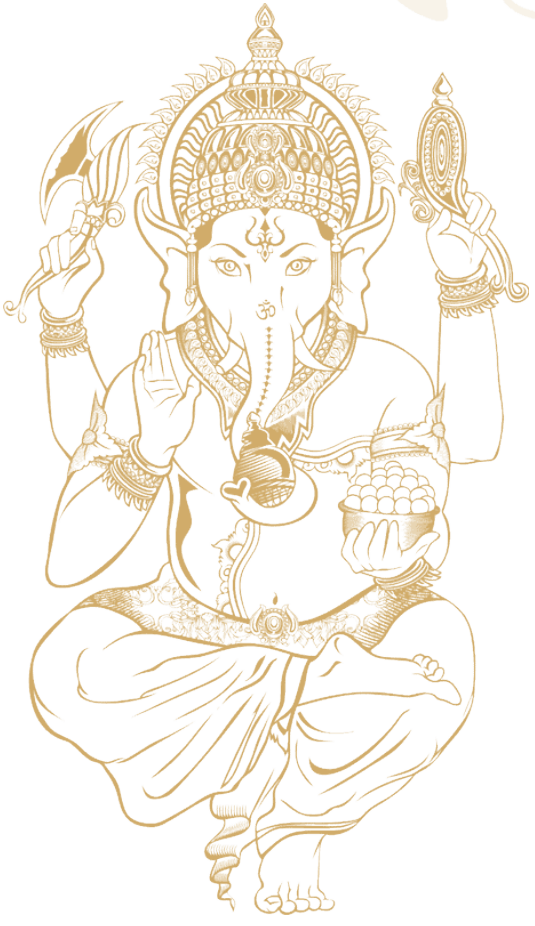

Anand tiwari

Soumya

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121712904

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
05/10/2001	जन्म तिथि	21-22/01/2003
शुक्रवार	दिन	मंगल-बुधवार
घंटे 08:07:00	जन्म समय	04:15:00 घंटे
घटी 04:36:45	जन्म समय(घटी)	52:31:50 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:16:17	सूर्योदय	07:14:15
18:03:37	सूर्यास्त	17:50:40
23:52:36	चित्रपक्षीय अयनांश	23:53:45

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शुक्र 14वर्ष 9मा 6दि	11:19:32	तुला	लग्न	वृश्चि	23:16:18	शुक्र 5वर्ष 11मा 3दि
चन्द्र	18:03:00	कन्या	सूर्य	मक	07:34:57	मंगल
13/07/2022	16:49:15	मेष	चंद्र	सिंह	22:42:54	26/12/2024
12/07/2032	21:15:13	धनु	मंगल	वृश्चि	09:10:34	26/12/2031
चन्द्र 13/05/2023	05:08:38	तुला व	बुध व	धनु	18:29:01	मंगल 24/05/2025
मंगल 12/12/2023	20:30:36	मिथु	गुरु व	कर्क	20:42:25	राहु 11/06/2026
राहु 12/06/2025	23:17:54	सिंह	शुक्र	वृश्चि	21:03:59	गुरु 18/05/2027
गुरु 12/10/2026	21:01:58	वृष व	शनि व	वृष	29:08:00	शनि 26/06/2028
शनि 12/05/2028	06:29:35	मिथु व	राहु व	वृष	13:13:38	बुध 23/06/2029
बुध 12/10/2029	06:29:35	धनु व	केतु व	वृश्चि	13:13:38	केतु 19/11/2029
केतु 13/05/2030	27:18:19	मक व	हर्ष	कुंभ	03:23:41	शुक्र 19/01/2031
शुक्र 12/01/2032	12:09:43	मक व	नेप	मक	16:25:31	सूर्य 27/05/2031
सूर्य 12/07/2032	19:09:00	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	25:05:04	चन्द्र 26/12/2031

लग्न-चलित

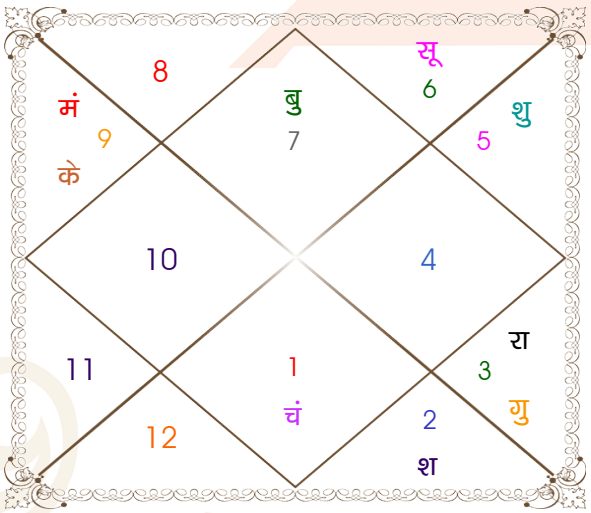

लग्न-चलित

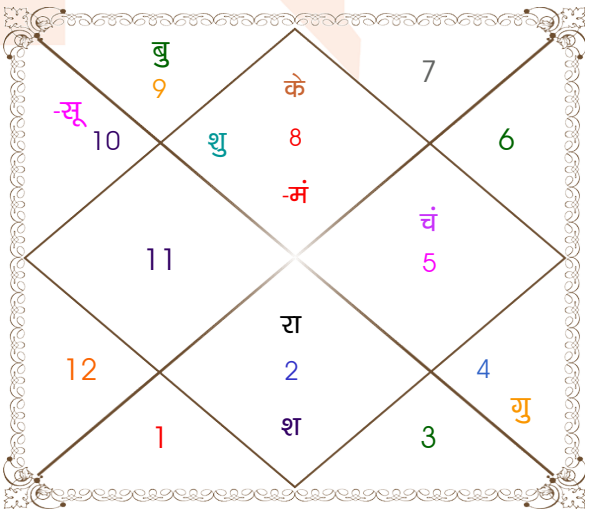

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	वनचर	2	0.00	--	स्वभाव
तारा	जन्म	जन्म	3	3.00	--	भाग्य
योनि	गज	मूषक	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	सूर्य	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मेष	सिंह	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	17.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

।दंदक जपूंतप का वर्ग मृग है तथा ैवनउलं का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ।दंदक जपूंतप और ैवनउलं का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

।दंदक जपूंतप मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

ैवनउलं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल ैवनउलं कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल ।दंदक जपूंतप कि कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है अतः मंगलीक

दोष कट जाता है।

।दंदक जपूंतप तथा ैवनउलं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।